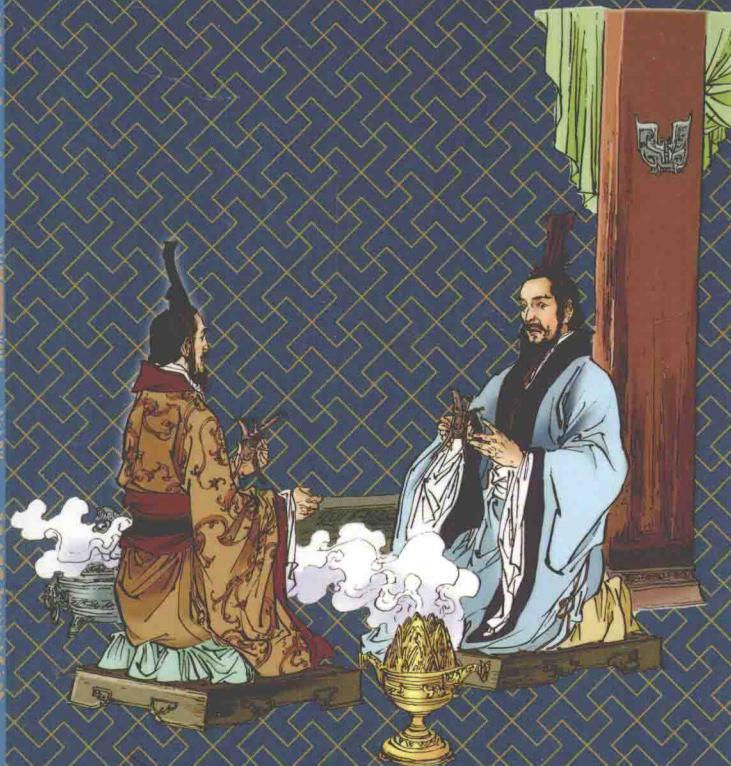


珍藏本

珍藏本



百花园文库出版社

金涛◎主编

中华成语故事大全集

善
德



珍藏本

中华成语故事大全集

金 涛〇主编

百花洲文艺出版社

图书在版编目(CIP)数据

中华成语故事大全集/金涛主编. —南昌:百花洲文艺出版社,2011.10

ISBN 978-7-5500-0210-4

I. ①中… II. ①金… III. ①汉语—成语—故事
IV. ①H136.3

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2011)第 193276 号

ZHONGHUA CHENGYU GUSHI DAQUANJI

中华成语故事大全集

金 涛 主编

总 策 划 杨建峰

责 任 编辑 汤四芳 刘 云

美 术 编辑 松 雪 + 王 进

制 作 周 岚

出 版 发 行 百花洲文艺出版社

社 址 南昌市阳明路 310 号

邮 编 330008

经 销 全国新华书店

印 刷 北京鹏润伟业印刷有限公司

开 本 1020mm×1200mm 1/10 印张 44

版 次 2011 年 12 月第 1 版第 2 次印刷

字 数 910 千字

书 号 ISBN 978-7-5500-0210-4

定 价 29.80 元

赣版权登字 05-2011-174

版权所有,侵权必究

邮购联系 0791-6895108

网 址 <http://www.bhzwy.com>

图书若有印装错误,影响阅读,可向承印厂联系调换。

前 言



成语是汉语言体系的一个重要组成部分,源自浩繁的古代文化典籍以及诗词歌赋,是长期以来形成的形式简洁、意思精辟的固定词组或短语,多由四个字组成,也有三个字或四个字以上的多字组合。它有着不同于一般词语的特点:言简意赅,结构严谨,内涵深远,韵律和谐,富于哲理而又形象生动,表现力强。因此,在汉语言中始终发挥着独特而不可替代的巨大功用。

成语是历史的浓缩,是民族智慧的结晶,也是中华文化的载体,其内涵极其丰富。凡有来源与出处的成语,追根溯源,往往都有一个历史故事作为背景。无论是盛世华彩,还是乱世风云;无论是慷慨激昂的壮士,还是金戈铁马的将军;无论是封侯拜将的荣耀,还是贬官失意的凄凉……都可以在成语故事中一探究竟。这些约定俗成的成语故事,可以诱发读者学习历史的兴趣,了解古今风尚习俗的异同,增长历史知识。

具体来讲,成语故事的来源可分为以下五个方面:一、源自古书中记载的神话传说和民间故事(有一部分为口头文学),如夸父逐日、补天浴日、此地无银三百两等;二、源自古代典籍中记载或引用的寓言故事,如刻舟求剑、狐假虎威、杞人忧天等;三、源自历代史书中所记载的大大小小的历史故事和风云人物,如负荆请罪、城下之盟、破釜沉舟、鸡鸣狗盗等;四、源自古代文学作品、笔记杂文中的断字成句或轶闻趣事,如人杰地灵、走马观花、鹤立鸡群、洛阳纸贵等;五、源自佛、道等宗教文化,如借花献佛、当头棒喝、天花乱坠等……

可以说成语故事包罗万象、庞杂宏大,涉及了古代政治、军事、文化、民间习俗、道德、理想等方方面面,内容丰富,多角度地反映了古代人民的生活方式、精神信念和处世智慧。

《中华成语故事大全集》一书从浩如烟海的成语中精选了那些具有历史性、故事性、艺术性、哲理性、趣味性的条目,以全新的视角和语言形式生动地再现了成语故事的风貌,使读者能全面领略中国传统文化的深厚积淀,也展示了中华民族博大精深的语言文化。

概括说来,全书有以下特点:

1. 收录全面,编排新颖。全书选取了近一千一百多条成语,大多是在当今社会及文化中应用频率较高的。按照当代读者的阅读和检索习惯,按照音序进行编排,使读者能够方便快捷地找到自己想要阅读的词条故事。
2. 注解详细。书中对所选成语的释义、难字等进行了详细的解释,最大限度地发挥本书阅读成语和学习成语的双重作用,使其兼具故事书与工具书的双重效能。
3. 明确成语的出处。一般成语出处都包括了朝代、作者、著作书目等内容,对于没有明确作者(或由不同时期的作者完成的作品)则只保留了书名,如《庄子》、《论语》等。成语典出的相关文字也会在故事的正文中以“(仿宋字体)”标注出来,或者在正文中加以引述,使读者能体会相关古代文字的韵味。
4. 大部分的成语故事都是典故故事,以成语的来龙去脉为主线,完整的讲述故事的内容,使读者看完



后,对成语有一个完整的理解。还有一部分成语典出较早,但故事性不强,而其他典籍中出现了针对该成语的、更有代表性的故事,我们则选择后者,使读者对此成语有一个完整的概念。

5. 书中还选配了近百幅相关的成语故事插图,由专业的插画作者手绘完成。以画配文,两相对照,更加形象地解释了成语的历史背景。

总之,成语浩繁博大,只靠一本书不可能容纳所有的内容。所以,我们本着去粗存精、古为今用的原则选取了其中的精华,以飨读者。我们希望能帮助读者从这些故事中体会到源远流长的中华五千年文明的精髓、中华民族语言文化特有的内涵,以及历代古人高超的智慧。

编 者

2011年9月



目 录

A

| | |
|------|---|
| 爱鹤失众 | 一 |
| 爱毛反裘 | 一 |
| 爱屋及乌 | 一 |
| 安步当车 | 二 |
| 安居乐业 | 三 |
| 安然无恙 | 三 |
| 安如泰山 | 三 |
| 安于故俗 | 四 |
| 按兵不动 | 四 |
| 按图索骥 | 五 |
| 暗度陈仓 | 五 |
| 暗箭伤人 | 六 |
| 暗送秋波 | 六 |

B

| | |
|-----------|----|
| 八攻八克 | 七 |
| 八面威风 | 七 |
| 八仙过海,各显神通 | 七 |
| 拔苗助长 | 八 |
| 拔山扛鼎 | 八 |
| 白虹贯日 | 八 |
| 白驹过隙 | 九 |
| 白面书生 | 九 |
| 白首同归 | 九 |
| 白头如新 | 一〇 |
| 白衣苍狗 | 一〇 |
| 白云亲舍 | 一〇 |
| 百不当一 | 一一 |
| 百发百中 | 一一 |
| 百感交集 | 一一 |
| 百闻不如一见 | 一二 |
| 百折不挠 | 一二 |
| 班门弄斧 | 一三 |
| 半部论语 | 一三 |
| 半面之交 | 一三 |
| 半途而废 | 一四 |
| 傍人门户 | 一四 |
| 包藏祸心 | 一四 |
| 抱残守缺 | 一五 |
| 抱蔓摘瓜 | 一五 |

| | |
|-----------|----|
| 抱薪救火 | 一六 |
| 豹死留皮,人死留名 | 一六 |
| 暴虎冯河 | 一六 |
| 杯弓蛇影 | 一七 |
| 背水一战 | 一七 |
| 本来面目 | 一八 |
| 逼上梁山 | 一九 |
| 彼一时,此一时 | 一九 |
| 笔走龙蛇 | 一九 |
| 闭关却扫 | 二〇 |
| 筚路蓝缕 | 二〇 |
| 髀肉复生 | 二〇 |
| 鞭长莫及 | 二〇 |
| 标新立异 | 二一 |
| 别开生面 | 二一 |
| 别无长物 | 二二 |
| 别有天地 | 二二 |
| 宾至如归 | 二三 |
| 兵不血刃 | 二三 |
| 兵不厌诈 | 二四 |
| 兵贵神速 | 二四 |
| 病入膏肓 | 二四 |
| 拨云见日 | 二五 |
| 伯乐相马 | 二五 |
| 博而不精 | 二六 |
| 博闻强识 | 二六 |
| 卜昼卜夜 | 二六 |
| 补阙拾遗 | 二六 |
| 补天浴日 | 二七 |
| 捕风捉影 | 二七 |
| 不辨菽麦 | 二七 |
| 不逞之徒 | 二八 |
| 不痴不聋,不做家翁 | 二八 |
| 不耻下问 | 二八 |
| 不得人心 | 二九 |
| 不得要领 | 二九 |
| 不敢越雷池一步 | 二九 |
| 不寒而栗 | 三〇 |
| 不合时宜 | 三〇 |
| 不教而诛 | 三一 |
| 不拘小节 | 三一 |
| 不拘一格 | 三一 |



| | | | |
|-----------|----|-----------|----|
| 不堪回首 | 三二 | 乘兴而来 | 五〇 |
| 不可多得 | 三二 | 程门立雪 | 五一 |
| 不可救药 | 三三 | 惩前毖后 | 五一 |
| 不可同日而语 | 三三 | 惩一儆百 | 五二 |
| 不伦不类 | 三四 | 痴人说梦 | 五二 |
| 不名一钱 | 三四 | 魑魅魍魉 | 五二 |
| 不念旧恶 | 三五 | 尺璧寸阴 | 五三 |
| 不欺暗室 | 三五 | 尺寸之功 | 五三 |
| 不求甚解 | 三五 | 尺有所短,寸有所长 | 五三 |
| 不屈不挠 | 三五 | 叱咤风云 | 五四 |
| 不入虎穴,焉得虎子 | 三六 | 赤膊上阵 | 五四 |
| 不识之无 | 三六 | 赤地千里 | 五四 |
| 不贪为宝 | 三七 | 冲锋陷阵 | 五五 |
| 不忘沟壑 | 三七 | 宠辱不惊 | 五五 |
| 不为五斗米折腰 | 三七 | 出尔反尔 | 五五 |
| 不舞之鹤 | 三八 | 出类拔萃 | 五六 |
| 不修边幅 | 三八 | 出奇制胜 | 五六 |
| 不学无术 | 三九 | 出人头地 | 五七 |
| 不遗余力 | 三九 | 出言不逊 | 五七 |
| 不翼而飞 | 四〇 | 出淤泥而不染 | 五八 |
| 不远千里 | 四〇 | 初出茅庐 | 五八 |
| 不知人间有羞耻事 | 四一 | 初生之犊不畏虎 | 五九 |
| 不知所措 | 四一 | 垂帘听政 | 五九 |
| 不知所云 | 四一 | 春风得意 | 六〇 |
| 不自量力 | 四二 | 春风风人,夏雨雨人 | 六〇 |
| 不足为意 | 四二 | 唇亡齿寒 | 六〇 |

C

| | |
|-----------|----|
| 才高八斗 | 四三 |
| 才疏意广 | 四三 |
| 沧海横流 | 四三 |
| 沧海桑田 | 四四 |
| 草菅人命 | 四四 |
| 草木皆兵 | 四五 |
| 差强人意 | 四五 |
| 豺狼当道 | 四五 |
| 长驱直入 | 四六 |
| 长袖善舞 | 四六 |
| 超群绝伦 | 四七 |
| 车水马龙 | 四七 |
| 车载斗量 | 四七 |
| 沉鱼落雁 | 四八 |
| 成也萧何,败也萧何 | 四八 |
| 城狐社鼠 | 四九 |
| 城门失火,殃及池鱼 | 四九 |
| 城下之盟 | 四九 |
| 乘风破浪 | 四九 |
| 乘龙快婿 | 五〇 |
| 乘人之危 | 五〇 |

D

| | |
|-------|----|
| 大功毕成 | 六四 |
| 大逆不道 | 六四 |
| 大器晚成 | 六四 |
| 大声疾呼 | 六五 |
| 大失所望 | 六五 |
| 大事不糊涂 | 六六 |
| 大喜过望 | 六六 |
| 大义灭亲 | 六七 |
| 呆若木鸡 | 六七 |
| 代人捉刀 | 六八 |
| 待价而沽 | 六八 |
| 箪食壶浆 | 六八 |
| 箪食瓢饮 | 六九 |
| 胆大如斗 | 六九 |
| 弹铗无鱼 | 六九 |



| | | | |
|---------|----|-----------|-----|
| 当局者迷 | 六九 | 防民之口，甚于防川 | 八九 |
| 当头棒喝 | 七〇 | 防微杜渐 | 八九 |
| 党同伐异 | 七〇 | 飞沙转石 | 九〇 |
| 倒屣相迎 | 七一 | 飞扬跋扈 | 九〇 |
| 倒行逆施 | 七一 | 非驴非马 | 九〇 |
| 道不拾遗 | 七一 | 吠形吠声 | 九一 |
| 道合志同 | 七二 | 分崩离析 | 九一 |
| 道听途说 | 七二 | 分道扬镳 | 九一 |
| 得过且过 | 七二 | 分庭抗礼 | 九二 |
| 得陇望蜀 | 七三 | 分杯羹 | 九三 |
| 得其所哉 | 七四 | 焚书坑儒 | 九三 |
| 得心应手 | 七四 | 奋不顾身 | 九四 |
| 得意忘形 | 七四 | 风吹草动 | 九四 |
| 得意洋洋 | 七五 | 风马牛不相及 | 九五 |
| 德高望重 | 七五 | 风声鹤唳 | 九五 |
| 掉以轻心 | 七五 | 风雨同舟 | 九六 |
| 东窗事发 | 七六 | 凤毛麟角 | 九六 |
| 东床快婿 | 七六 | 奉公守法 | 九七 |
| 东山再起 | 七七 | 佛头着粪 | 九七 |
| 东施效颦 | 七七 | 扶摇直上 | 九八 |
| 董宣强项 | 七七 | 釜底抽薪 | 九八 |
| 动辄得咎 | 七八 | 釜底游鱼 | 九八 |
| 洞见症结 | 七八 | 付之一炬 | 九九 |
| 独步天下 | 七九 | 负荆请罪 | 九九 |
| 独当一面 | 七九 | 负隅顽抗 | 一〇〇 |
| 断鹤续凫 | 七九 | 负重致远 | 一〇〇 |
| 断齑画粥 | 八〇 | 妇人之仁 | 一〇〇 |
| 断章取义 | 八〇 | 覆巢无完卵 | 一〇一 |
| 对牛弹琴 | 八〇 | 覆水难收 | 一〇一 |
| 对症下药 | 八一 | | |
| 多多益善 | 八一 | | |
| 多难兴邦 | 八二 | G | |
| 多行不义必自毙 | 八二 | 改过自新 | 一〇二 |
| 咄咄逼人 | 八二 | 改弦易辙 | 一〇二 |
| 咄咄怪事 | 八三 | 干将莫邪 | 一〇三 |

E

| | |
|--------|----|
| 恶贯满盈 | 八四 |
| 尔虞我诈 | 八四 |
| 耳闻不如目见 | 八五 |
| 二桃杀三士 | 八五 |
| 二者必居其一 | 八六 |

F

| | |
|------|----|
| 发奸擿伏 | 八七 |
| 发蒙振落 | 八七 |
| 罚不当罪 | 八八 |
| 反求诸己 | 八八 |
| 方寸之地 | 八八 |

| | |
|--------|-----|
| 防微杜渐 | 八九 |
| 飞沙转石 | 九〇 |
| 飞扬跋扈 | 九〇 |
| 非驴非马 | 九〇 |
| 吠形吠声 | 九一 |
| 分崩离析 | 九一 |
| 分道扬镳 | 九一 |
| 分庭抗礼 | 九二 |
| 分杯羹 | 九三 |
| 焚书坑儒 | 九三 |
| 奋不顾身 | 九四 |
| 风吹草动 | 九四 |
| 风马牛不相及 | 九五 |
| 风声鹤唳 | 九五 |
| 风雨同舟 | 九六 |
| 凤毛麟角 | 九六 |
| 奉公守法 | 九七 |
| 佛头着粪 | 九七 |
| 扶摇直上 | 九八 |
| 釜底抽薪 | 九八 |
| 釜底游鱼 | 九八 |
| 付之一炬 | 九九 |
| 负荆请罪 | 九九 |
| 负隅顽抗 | 一〇〇 |
| 负重致远 | 一〇〇 |
| 妇人之仁 | 一〇〇 |
| 覆巢无完卵 | 一〇一 |
| 覆水难收 | 一〇一 |

G

| | |
|-------|-----|
| 改过自新 | 一〇二 |
| 改弦易辙 | 一〇二 |
| 干将莫邪 | 一〇三 |
| 干卿何事 | 一〇三 |
| 肝肠寸断 | 一〇四 |
| 肝脑涂地 | 一〇四 |
| 刚愎自用 | 一〇四 |
| 高山流水 | 一〇五 |
| 高屋建瓴 | 一〇五 |
| 高下在心 | 一〇六 |
| 高枕无忧 | 一〇六 |
| 各得其所 | 一〇六 |
| 各自为政 | 一〇七 |
| 更上一层楼 | 一〇七 |
| 工力悉敌 | 一〇八 |
| 功败垂成 | 一〇八 |
| 功亏一篑 | 一〇八 |
| 篝火狐鸣 | 一〇九 |



| | | | |
|---------|-----|------|-----|
| 苟延残喘 | 一〇九 | 画龙点睛 | 一二六 |
| 狗尾续貂 | 一一〇 | 画蛇添足 | 一二七 |
| 孤注一掷 | 一一〇 | 怀璧其罪 | 一二七 |
| 顾曲周郎 | 一一一 | 黄粱一梦 | 一二七 |
| 顾左右而言他 | 一一一 | 黄袍加身 | 一二八 |
| 瓜田李下 | 一一一 | 挥戈反日 | 一二九 |
| 刮目相看 | 一一二 | 挥汗如雨 | 一二九 |
| 挂冠而去 | 一一二 | 回天之力 | 一二九 |
| 挂羊头，卖狗肉 | 一一三 | 讳疾忌医 | 一三〇 |
| 管鲍之交 | 一一三 | 浑金璞玉 | 一三〇 |
| 管中窥豹 | 一一四 | 祸起萧墙 | 一三一 |
| 归马放牛 | 一一四 | | |
| 鬼斧神工 | 一一四 | | |
| 贵人多忘 | 一一五 | J | |
| 过河拆桥 | 一一五 | 机不可失 | 一三二 |
| 过五关，斩六将 | 一一六 | 鸡虫得失 | 一三二 |

H

| | |
|--------|-----|
| 骇人听闻 | 一一七 |
| 害群之马 | 一一七 |
| 邯郸学步 | 一一八 |
| 含沙射影 | 一一八 |
| 汗流浃背 | 一一八 |
| 汗牛充栋 | 一一八 |
| 沆瀣一气 | 一一九 |
| 好好先生 | 一一九 |
| 好谋无决 | 一一九 |
| 好逸恶劳 | 一一九 |
| 好整以暇 | 一二〇 |
| 合浦珠还 | 一二〇 |
| 何足挂齿 | 一二〇 |
| 河东狮吼 | 一二一 |
| 鹤立鸡群 | 一二一 |
| 哄堂大笑 | 一二一 |
| 红叶题诗 | 一二一 |
| 鸿鹄之志 | 一二二 |
| 侯门如海 | 一二二 |
| 后顾之忧 | 一二二 |
| 后来居上 | 一二二 |
| 后起之秀 | 一二三 |
| 后生可畏 | 一二三 |
| 囫囵吞枣 | 一二三 |
| 狐假虎威 | 一二四 |
| 怙恶不悛 | 一二四 |
| 华而不实 | 一二五 |
| 化干戈为玉帛 | 一二五 |
| 画饼充饥 | 一二五 |
| 画地为牢 | 一二五 |
| 画虎类犬 | 一二六 |

| | |
|-----------|-----|
| 画蛇添足 | 一二七 |
| 怀璧其罪 | 一二七 |
| 黄粱一梦 | 一二七 |
| 黄袍加身 | 一二八 |
| 挥戈反日 | 一二九 |
| 挥汗如雨 | 一二九 |
| 回天之力 | 一二九 |
| 讳疾忌医 | 一三〇 |
| 浑金璞玉 | 一三〇 |
| 祸起萧墙 | 一三一 |
| | |
| J | |
| 机不可失 | 一三二 |
| 鸡虫得失 | 一三二 |
| 鸡鸣狗盗 | 一三二 |
| 鸡犬不宁 | 一三三 |
| 鸡犬升天 | 一三三 |
| 激浊扬清 | 一三三 |
| 疾风知劲草 | 一三四 |
| 集思广益 | 一三四 |
| 寄人篱下 | 一三五 |
| 家徒四壁 | 一三五 |
| 家有敝帚，享之千金 | 一三五 |
| 家喻户晓 | 一三六 |
| 价值连城 | 一三六 |
| 嫁祸于人 | 一三六 |
| 坚壁清野 | 一三七 |
| 监守自盗 | 一三七 |
| 兼听则明，偏信则暗 | 一三七 |
| 见怪不怪 | 一三八 |
| 见利忘义 | 一三八 |
| 渐入佳境 | 一三九 |
| 箭在弦上 | 一三九 |
| 江郎才尽 | 一三九 |
| 将欲取之，必先与之 | 一三九 |
| 交浅言深 | 一四〇 |
| 骄兵必败 | 一四〇 |
| 骄奢淫逸 | 一四一 |
| 胶柱鼓瑟 | 一四一 |
| 蛟龙得水 | 一四一 |
| 狡兔三窟 | 一四二 |
| 矫枉过正 | 一四二 |
| 脚踏实地 | 一四二 |
| 揭竿而起 | 一四三 |
| 嗟来之食 | 一四三 |
| 结草衔环 | 一四三 |
| 捷足先登 | 一四四 |
| 竭泽而渔 | 一四四 |

| | |
|-----------|-----|
| 解铃还须系铃人 | 一四五 |
| 解衣推食 | 一四五 |
| 借花献佛 | 一四五 |
| 金城汤池 | 一四六 |
| 金瓯无缺 | 一四六 |
| 金石为开 | 一四六 |
| 金屋藏娇 | 一四七 |
| 金玉其外，败絮其中 | 一四七 |
| 筋疲力尽 | 一四七 |
| 锦囊妙计 | 一四八 |
| 尽心尽力 | 一四八 |
| 尽忠报国 | 一四九 |
| 近水楼台 | 一四九 |
| 噤若寒蝉 | 一四九 |
| 惊弓之鸟 | 一四九 |
| 精卫填海 | 一五〇 |
| 井底之蛙 | 一五〇 |
| 九牛一毛 | 一五一 |
| 九死一生 | 一五一 |
| 酒池肉林 | 一五一 |
| 居安思危 | 一五一 |
| 鞠躬尽瘁，死而后已 | 一五二 |
| 举案齐眉 | 一五二 |
| 举棋不定 | 一五二 |
| 举足轻重 | 一五三 |
| 拒人于千里之外 | 一五三 |
| 聚蚊成雷 | 一五三 |
| 卷土重来 | 一五四 |
| 决一雌雄 | 一五四 |

K

| | |
|-------|-----|
| 开诚布公 | 一五五 |
| 开卷有益 | 一五五 |
| 开门揖盗 | 一五五 |
| 开天辟地 | 一五六 |
| 侃侃而谈 | 一五六 |
| 苛政猛于虎 | 一五六 |
| 克己奉公 | 一五七 |
| 克勤克俭 | 一五七 |
| 刻舟求剑 | 一五七 |
| 空洞无物 | 一五八 |
| 空前绝后 | 一五八 |
| 空穴来风 | 一五八 |
| 空中楼阁 | 一五九 |
| 口蜜腹剑 | 一五九 |
| 口若悬河 | 一五九 |
| 口无择言 | 一六〇 |
| 口血未干 | 一六〇 |
| 夸父逐日 | 一六一 |

| | |
|-------|-----|
| 胯下之辱 | 一六一 |
| 快刀斩乱麻 | 一六二 |
| 脍炙人口 | 一六二 |
| 旷日持久 | 一六二 |
| 困兽犹斗 | 一六三 |

L

| | |
|-------|-----|
| 蓝田生玉 | 一六四 |
| 揽辔澄清 | 一六四 |
| 滥竽充数 | 一六五 |
| 狼狈为奸 | 一六五 |
| 狼子野心 | 一六五 |
| 劳苦功高 | 一六六 |
| 劳师袭远 | 一六六 |
| 老当益壮 | 一六六 |
| 老马识途 | 一六七 |
| 老牛舐犊 | 一六七 |
| 老生常谈 | 一六七 |
| 乐不可支 | 一六八 |
| 乐不思蜀 | 一六八 |
| 乐此不疲 | 一六九 |
| 乐极生悲 | 一六九 |
| 离群索居 | 一六九 |
| 犁庭扫穴 | 一七〇 |
| 礼贤下士 | 一七〇 |
| 李代桃僵 | 一七〇 |
| 力不从心 | 一七一 |
| 厉兵秣马 | 一七一 |
| 立锥之地 | 一七一 |
| 励精图治 | 一七二 |
| 利令智昏 | 一七二 |
| 连篇累牍 | 一七二 |
| 梁上君子 | 一七三 |
| 两败俱伤 | 一七三 |
| 两虎相斗 | 一七三 |
| 两袖清风 | 一七四 |
| 量入为出 | 一七四 |
| 量体裁衣 | 一七四 |
| 了如指掌 | 一七五 |
| 临渴掘井 | 一七五 |
| 临难不惧 | 一七五 |
| 临深履薄 | 一七六 |
| 令人发指 | 一七六 |
| 令行禁止 | 一七六 |
| 流言蜚语 | 一七六 |
| 柳暗花明 | 一七七 |
| 漏网之鱼 | 一七七 |
| 庐山真面目 | 一七八 |
| 鹿死谁手 | 一七八 |



| | |
|---------|-----|
| 罗雀掘鼠 | 一七八 |
| 洛阳纸贵 | 一七九 |
| M | |
| 马齿徒增 | 一八〇 |
| 马革裹尸 | 一八〇 |
| 马首是瞻 | 一八〇 |
| 买椟还珠 | 一八一 |
| 卖剑买牛 | 一八一 |
| 满城风雨 | 一八二 |
| 芒刺在背 | 一八二 |
| 盲人摸象 | 一八二 |
| 毛遂自荐 | 一八三 |
| 冒天下之大不韪 | 一八三 |
| 每况愈下 | 一八三 |
| 美轮美奂 | 一八四 |
| 门可罗雀 | 一八四 |
| 门墙桃李 | 一八五 |
| 门庭若市 | 一八五 |
| 孟母三迁 | 一八六 |
| 靡靡之音 | 一八六 |
| 面折廷争 | 一八七 |
| 灭此朝食 | 一八七 |
| 民不聊生 | 一八七 |
| 民以食为天 | 一八八 |
| 冥顽不灵 | 一八八 |
| 名列前茅 | 一八八 |
| 名落孙山 | 一八九 |
| 名正言顺 | 一八九 |
| 明察秋毫 | 一九〇 |
| 明目张胆 | 一九〇 |
| 明哲保身 | 一九〇 |
| 明珠暗投 | 一九一 |
| 模棱两可 | 一九一 |
| 摩肩接踵 | 一九一 |
| 磨杵成针 | 一九二 |
| 莫测高深 | 一九二 |
| 莫逆之交 | 一九二 |
| 莫予毒也 | 一九三 |
| 墨守成规 | 一九三 |
| 目不见睫 | 一九三 |
| 目不识丁 | 一九四 |
| 目光如炬 | 一九四 |
| 目无全牛 | 一九五 |
| 沐猴而冠 | 一九五 |
| 暮夜无知 | 一九六 |
| 暮云春树 | 一九六 |

| | |
|-----------|-----|
| N | |
| 南风不竞 | 一九七 |
| 南柯一梦 | 一九七 |
| 南山可移 | 一九八 |
| 南辕北辙 | 一九八 |
| 难兄难弟 | 一九九 |
| 囊萤映雪 | 一九九 |
| 脑满肠肥 | 一九九 |
| 鸟尽弓藏 | 一九九 |
| 宁为鸡口,无为牛后 | 二〇〇 |
| 宁为玉碎,不为瓦全 | 二〇〇 |
| 牛鼎烹鸡 | 二〇一 |
| 牛衣对泣 | 二〇一 |
| 弄巧成拙 | 二〇一 |
| 怒发冲冠 | 二〇二 |

O

| | |
|------|-----|
| 鸥鸟不下 | 二〇三 |
| 呕心沥血 | 二〇三 |

P

| | |
|-----------|-----|
| 排难解纷 | 二〇四 |
| 攀龙附凤 | 二〇四 |
| 盘根错节 | 二〇四 |
| 旁若无人 | 二〇五 |
| 抛砖引玉 | 二〇五 |
| 赔了夫人又折兵 | 二〇六 |
| 蓬生麻中 | 二〇六 |
| 鹏程万里 | 二〇六 |
| 披坚执锐 | 二〇七 |
| 披荆斩棘 | 二〇七 |
| 皮里春秋 | 二〇七 |
| 皮之不存,毛将安傅 | 二〇八 |
| 疲于奔命 | 二〇八 |
| 匹夫有责 | 二〇八 |
| 匹夫之勇 | 二〇九 |
| 贫贱骄人 | 二〇九 |
| 贫贱之交 | 二一〇 |
| 平易近人 | 二一〇 |
| 萍水相逢 | 二一〇 |
| 破釜沉舟 | 二一一 |
| 破镜重圆 | 二一一 |
| 剖腹藏珠 | 二一二 |
| 扑朔迷离 | 二一二 |
| 铺锦列绣 | 二一二 |

Q

| | |
|------|-----|
| 七步之才 | 二一三 |
|------|-----|

| | | | |
|-----------|-----|-----------|-----|
| 七纵七擒 | 二一三 | 穷兵黩武 | 二三三 |
| 期期艾艾 | 二一三 | 茕茕孑立 | 二三三 |
| 欺世盗名 | 二一四 | 秋风过耳 | 二三四 |
| 蹊田夺牛 | 二一四 | 秋毫无犯 | 二三四 |
| 齐大非偶 | 二一五 | 求田问舍 | 二三四 |
| 齐人攫金 | 二一五 | 曲高和寡 | 二三五 |
| 齐心同力 | 二一六 | 曲尽其妙 | 二三五 |
| 其貌不扬 | 二一六 | 曲突徙薪 | 二三六 |
| 奇货可居 | 二一六 | 趋炎附势 | 二三六 |
| 歧路亡羊 | 二一七 | 取长补短 | 二三六 |
| 骑虎难下 | 二一七 | 取而代之 | 二三七 |
| 骑驴觅驴 | 二一八 | 全无心肝 | 二三七 |
| 旗鼓相当 | 二一八 | 犬牙交错 | 二三七 |
| 乞儿向火 | 二一八 | 雀屏中选 | 二三八 |
| 气壮山河 | 二一八 | | |
| 杞人忧天 | 二一九 | R | |
| 起死回生 | 二一九 | 让枣推梨 | 二三九 |
| 千金买骨 | 二二〇 | 人给家足 | 二三九 |
| 千金一笑 | 二二〇 | 人杰地灵 | 二三九 |
| 千军万马 | 二二一 | 人面兽心 | 二四〇 |
| 千里送鹅毛 | 二二一 | 人面桃花 | 二四〇 |
| 千虑一得 | 二二二 | 人琴俱亡 | 二四一 |
| 千人所指 | 二二二 | 人人自危 | 二四一 |
| 千万买邻 | 二二二 | 人死留名 | 二四二 |
| 千岩万壑 | 二二三 | 人微权轻 | 二四二 |
| 千载难逢 | 二二三 | 人为刀俎,我为鱼肉 | 二四二 |
| 前车之鉴 | 二二三 | 人心所向 | 二四三 |
| 前功尽弃 | 二二四 | 人言可畏 | 二四三 |
| 前倨后恭 | 二二四 | 忍辱负重 | 二四三 |
| 前事不忘,后事之师 | 二二五 | 任人唯贤 | 二四四 |
| 前徒倒戈 | 二二五 | 日不暇给 | 二四四 |
| 前无古人 | 二二五 | 如火如荼 | 二四五 |
| 钱可通神 | 二二六 | 如临大敌 | 二四五 |
| 黔驴技穷 | 二二六 | 如鸟兽散 | 二四五 |
| 强弩之末 | 二二七 | 如释重负 | 二四六 |
| 巧夺天工 | 二二七 | 如鱼得水 | 二四六 |
| 巧取豪夺 | 二二七 | 如坐针毡 | 二四六 |
| 亲痛仇快 | 二二八 | 孺子可教 | 二四七 |
| 秦晋之好 | 二二八 | 入木三分 | 二四七 |
| 秦镜高悬 | 二二九 | 入幕之宾 | 二四八 |
| 勤能补拙 | 二二九 | 入室操戈 | 二四八 |
| 青云直上 | 二二九 | 阮囊羞涩 | 二四八 |
| 轻财好施 | 二三〇 | | |
| 倾城倾国 | 二三〇 | S | |
| 倾筐倒箧 | 二三〇 | 塞翁失马 | 二四九 |
| 情随事迁 | 二三一 | 三寸不烂之舌 | 二四九 |
| 请君入瓮 | 二三一 | 三分鼎足 | 二五〇 |
| 庆父不死,鲁难未已 | 二三二 | 三顾茅庐 | 二五〇 |
| 罄竹难书 | 二三二 | 三过其门而不入 | 二五一 |



| | | | |
|-----------|-----|------------|-----|
| 三缄其口 | 二五一 | 拾人牙慧 | 二七一 |
| 三令五申 | 二五二 | 食不甘味 | 二七一 |
| 三人成虎 | 二五二 | 食言而肥 | 二七二 |
| 三生有幸 | 二五三 | 使羊将狼 | 二七二 |
| 三十六计,走为上 | 二五三 | 始作俑者 | 二七二 |
| 三纸无驴 | 二五四 | 世外桃源 | 二七三 |
| 丧家之狗 | 二五四 | 市无二价 | 二七三 |
| 丧心病狂 | 二五五 | 事半功倍 | 二七四 |
| 杀敌致果 | 二五六 | 势如破竹 | 二七四 |
| 杀鸡焉用牛刀 | 二五六 | 视死如归 | 二七五 |
| 杀马毁车 | 二五六 | 视同儿戏 | 二七五 |
| 杀人不眨眼 | 二五七 | 恃才傲物 | 二七五 |
| 山鸡舞镜 | 二五七 | 噬脐莫及 | 二七六 |
| 山雨欲来风满楼 | 二五七 | 手不释卷 | 二七六 |
| 姗姗来迟 | 二五七 | 守成不易 | 二七七 |
| 伤风败俗 | 二五八 | 守株待兔 | 二七七 |
| 上楼去梯 | 二五八 | 首鼠两端 | 二七七 |
| 上下其手 | 二五九 | 受宠若惊 | 二七八 |
| 上行下效 | 二六〇 | 熟能生巧 | 二七八 |
| 少见多怪 | 二六〇 | 束手就擒 | 二七八 |
| 舍本逐末 | 二六〇 | 束之高阁 | 二七九 |
| 舍生取义 | 二六一 | 树倒猢狲散 | 二七九 |
| 身先士卒 | 二六一 | 数典忘祖 | 二八〇 |
| 身在曹营心在汉 | 二六一 | 数见不鲜 | 二八〇 |
| 神机妙算 | 二六二 | 率马以骥 | 二八〇 |
| 神仙中人 | 二六二 | 双管齐下 | 二八一 |
| 神州陆沉 | 二六三 | 水滴石穿 | 二八二 |
| 甚嚣尘上 | 二六三 | 水火不相容 | 二八二 |
| 升堂入室 | 二六三 | 水火无交 | 二八二 |
| 生花妙笔 | 二六四 | 水深火热 | 二八三 |
| 生灵涂炭 | 二六四 | 水中捞月 | 二八三 |
| 生死存亡 | 二六四 | 司空见惯 | 二八三 |
| 生吞活剥 | 二六四 | 司马昭之心,路人皆知 | 二八四 |
| 声东击西 | 二六五 | 死灰复燃 | 二八四 |
| 声名狼藉 | 二六五 | 死有余辜 | 二八四 |
| 声色俱厉 | 二六五 | 死诸葛吓走生仲达 | 二八五 |
| 盛气凌人 | 二六六 | 四海之内皆兄弟 | 二八五 |
| 尸居余气 | 二六六 | 四面楚歌 | 二八五 |
| 尸位素餐 | 二六七 | 四体不勤,五谷不分 | 二八六 |
| 失之东隅,收之桑榆 | 二六七 | 素面朝天 | 二八七 |
| 失之毫厘,差之千里 | 二六八 | 虽死犹生 | 二八七 |
| 师出无名 | 二六八 | 所向风靡 | 二八八 |
| 师直为壮 | 二六九 | 所向无前 | 二八八 |
| 十八般武艺 | 二六九 | | |
| 十年树木,百年树人 | 二六九 | | |
| 十行俱下 | 二七〇 | T | |
| 十羊九牧 | 二七〇 | 太公钓鱼,愿者上钩 | 二八九 |
| 识时务者为俊杰 | 二七一 | 泰山北斗 | 二八九 |
| 实事求是 | 二七一 | 泰山压卵 | 二八九 |
| | | 贪得无厌 | 二九〇 |

| | | | |
|-----------|-----|-----------|-----|
| 贪生怕死 | 二九〇 | 徒有虚名 | 三〇九 |
| 贪天之功 | 二九一 | 土崩瓦解 | 三一〇 |
| 贪小失大 | 二九一 | 土龙刍狗 | 三一〇 |
| 弹冠相庆 | 二九二 | 兔死狗烹 | 三一一 |
| 谈何容易 | 二九二 | 推心置腹 | 三一一 |
| 谈虎色变 | 二九三 | 退避三舍 | 三一二 |
| 谈笑自若 | 二九三 | 豚蹄攘田 | 三一二 |
| 谈言微中 | 二九四 | 唾面自干 | 三一三 |
| 叹为观止 | 二九四 | 唾手可得 | 三一三 |
| 探骊得珠 | 二九五 | | |
| 探囊取物 | 二九五 | | |
| 唐突西施 | 二九五 | 外强中干 | 三一四 |
| 螳臂当车 | 二九六 | 完璧归赵 | 三一四 |
| 螳螂捕蝉,黄雀在后 | 二九六 | 玩火自焚 | 三一五 |
| 滔滔不绝 | 二九七 | 玩物丧志 | 三一五 |
| 桃李不言,下自成蹊 | 二九七 | 顽石点头 | 三一六 |
| 桃李满天下 | 二九八 | 万人之敌 | 三一六 |
| 天高地厚 | 二九八 | 万事俱备,只欠东风 | 三一六 |
| 天花乱坠 | 二九八 | 万众一心 | 三一七 |
| 天经地义 | 二九八 | 亡戟得矛 | 三一七 |
| 天罗地网 | 二九九 | 亡命之徒 | 三一八 |
| 天马行空 | 二九九 | 亡羊补牢 | 三一八 |
| 天女散花 | 二九九 | 网开三面 | 三一九 |
| 天无二日 | 三〇〇 | 往者不谏,来者可追 | 三一九 |
| 天下无双 | 三〇〇 | 惘然若失 | 三一九 |
| 天涯海角 | 三〇〇 | 妄自尊大 | 三二〇 |
| 天衣无缝 | 三〇一 | 望尘莫及 | 三二〇 |
| 天真烂漫 | 三〇一 | 望梅止渴 | 三二〇 |
| 天之骄子 | 三〇二 | 望门投止 | 三二一 |
| 靚颜人世 | 三〇二 | 望洋兴叹 | 三二一 |
| 铁石心肠 | 三〇二 | 危如累卵 | 三二一 |
| 听人穿鼻 | 三〇三 | 危若朝露 | 三二一 |
| 铤而走险 | 三〇三 | 危在旦夕 | 三二二 |
| 同病相怜 | 三〇四 | 威武不屈 | 三二二 |
| 同仇敌忾 | 三〇四 | 韦编三绝 | 三二三 |
| 同甘共苦 | 三〇五 | 为富不仁 | 三二三 |
| 同工异曲 | 三〇五 | 为虎作伥 | 三二三 |
| 同流合污 | 三〇五 | 为人说项 | 三二四 |
| 同心同德 | 三〇六 | 为人作嫁 | 三二四 |
| 同舟共济 | 三〇六 | 为渊驱鱼,为丛驱雀 | 三二五 |
| 痛定思痛 | 三〇六 | 围魏救赵 | 三二五 |
| 痛心疾首 | 三〇六 | 唯我独尊 | 三二六 |
| 痛饮黄龙 | 三〇七 | 唯命是听 | 三二六 |
| 头破血流 | 三〇七 | 未可厚非 | 三二六 |
| 投笔从戎 | 三〇七 | 未能免俗 | 三二七 |
| 投鞭断流 | 三〇八 | 未雨绸缪 | 三二七 |
| 投袂而起 | 三〇八 | 尾大不掉 | 三二七 |
| 投鼠忌器 | 三〇九 | 畏首畏尾 | 三二八 |
| 图穷匕见 | 三〇九 | 文武之道,一张一弛 | 三二八 |

W



| | | | |
|------------|-----|-----------|-----|
| 闻过则喜 | 三二八 | 项庄舞剑,意在沛公 | 三四五 |
| 闻鸡起舞 | 三二九 | 萧规曹随 | 三四六 |
| 闻一知十 | 三二九 | 跳梁小丑 | 三四六 |
| 刎颈之交 | 三二九 | 小鸟依人 | 三四六 |
| 蜗角虚名 | 三三〇 | 小时了了 | 三四六 |
| 我见犹怜 | 三三〇 | 小巫见大巫 | 三四七 |
| 卧榻之侧岂容他人鼾睡 | 三三〇 | 小心翼翼 | 三四七 |
| 卧薪尝胆 | 三三一 | 笑里藏刀 | 三四八 |
| 握发吐哺 | 三三一 | 心腹之患 | 三四八 |
| 握椠怀铅 | 三三二 | 心怀叵测 | 三四八 |
| 乌合之众 | 三三二 | 心血来潮 | 三四九 |
| 巫山云雨 | 三三二 | 信口雌黄 | 三四九 |
| 无出其右 | 三三三 | 信口开河 | 三四九 |
| 无价之宝 | 三三三 | 信誓旦旦 | 三四九 |
| 无可奈何 | 三三四 | 行百里者半九十 | 三五〇 |
| 无能为役 | 三三四 | 行将就木 | 三五〇 |
| 无所不容 | 三三四 | 行尸走肉 | 三五〇 |
| 无所畏惧 | 三三五 | 幸灾乐祸 | 三五一 |
| 无妄之灾 | 三三五 | 胸有成竹 | 三五一 |
| 无以复加 | 三三五 | 休戚相关 | 三五一 |
| 吴牛喘月 | 三三六 | 羞与哙伍 | 三五二 |
| 吴下阿蒙 | 三三六 | 虚有其表 | 三五二 |
| 梧鼠技穷 | 三三六 | 虚与委蛇 | 三五二 |
| 五里雾中 | 三三七 | 虚左以待 | 三五三 |
| 五日京兆 | 三三七 | 徐娘半老 | 三五三 |
| 五十步笑百步 | 三三七 | 悬梁刺股 | 三五三 |
| 物以类聚,人以群分 | 三三八 | 削足适履 | 三四四 |

X

| | |
|-------|-----|
| 惜墨如金 | 三三九 |
| 席不暇暖 | 三三九 |
| 洗耳恭听 | 三三九 |
| 下笔成章 | 三四〇 |
| 下车泣罪 | 三四〇 |
| 下马作威 | 三四〇 |
| 先发制人 | 三四一 |
| 先驱蝼蚁 | 三四一 |
| 先入为主 | 三四一 |
| 先声夺人 | 三四二 |
| 先下手为强 | 三四二 |
| 相顾失色 | 三四二 |
| 相见恨晚 | 三四三 |
| 相敬如宾 | 三四三 |
| 相濡以沫 | 三四三 |
| 相提并论 | 三四四 |
| 响遏行云 | 三四四 |
| 想当然耳 | 三四四 |
| 想入非非 | 三四五 |
| 向壁虚构 | 三四五 |

Y

| | |
|------|-----|
| 烟霞痼疾 | 三五六 |
| 言不二价 | 三五六 |
| 言不由衷 | 三五六 |
| 言过其实 | 三五七 |
| 言人人殊 | 三五七 |
| 言听计从 | 三五八 |
| 奄奄一息 | 三五八 |
| 掩耳盗铃 | 三五八 |
| 眼中之钉 | 三五九 |
| 偃旗息鼓 | 三五九 |
| 扬扬自得 | 三五九 |
| 羊裘垂钓 | 三六〇 |
| 羊质虎皮 | 三六〇 |
| 仰人鼻息 | 三六〇 |
| 养虎为患 | 三六〇 |
| 杳如黄鹤 | 三六一 |

| | | | |
|-------------|-----|-------------|-----|
| 要言不烦 | 三六一 | 一字之师 | 三七九 |
| 野火烧不尽,春风吹又生 | 三六一 | 依样画葫芦 | 三七九 |
| 业精于勤 | 三六二 | 颐指气使 | 三八〇 |
| 叶公好龙 | 三六二 | 以暴易暴 | 三八〇 |
| 曳尾涂中 | 三六三 | 以讹传讹 | 三八〇 |
| 夜郎自大 | 三六三 | 以古非今 | 三八一 |
| 夜以继日 | 三六三 | 以管窥天 | 三八一 |
| 一败涂地 | 三六四 | 以规为瑱 | 三八一 |
| 一曝十寒 | 三六四 | 以邻为壑 | 三八二 |
| 一笔勾销 | 三六四 | 以卵击石 | 三八二 |
| 一不做,二不休 | 三六五 | 以貌取人 | 三八二 |
| 一筹莫展 | 三六五 | 以强凌弱 | 三八二 |
| 一代楷模 | 三六六 | 以身试法 | 三八三 |
| 一饭千金 | 三六六 | 以小人之心,度君子之腹 | 三八三 |
| 一傅众咻 | 三六六 | 以夷制夷 | 三八四 |
| 一鼓作气 | 三六七 | 倚马可待 | 三八四 |
| 一国三公 | 三六七 | 义不容辞 | 三八五 |
| 一挥而就 | 三六八 | 义无反顾 | 三八五 |
| 一见如故 | 三六八 | 亦步亦趋 | 三八五 |
| 一箭双雕 | 三六八 | 异军突起 | 三八六 |
| 一匡天下 | 三六九 | 易如反掌 | 三八六 |
| 一夔已足 | 三六九 | 薏苡明珠 | 三八六 |
| 一鳞半爪 | 三六九 | 因势利导 | 三八六 |
| 一毛不拔 | 三七〇 | 引而不发 | 三八七 |
| 一鸣惊人 | 三七〇 | 饮醇自醉 | 三八七 |
| 一木难支 | 三七〇 | 饮鸩止渴 | 三八七 |
| 一目十行 | 三七一 | 应对如流 | 三八八 |
| 一诺千金 | 三七一 | 英雄无用武之地 | 三八八 |
| 一钱不值 | 三七二 | 迎刃而解 | 三八八 |
| 一窍不通 | 三七二 | 蝇营狗苟 | 三八九 |
| 一丘之貉 | 三七二 | 庸人自扰 | 三八九 |
| 一去不返 | 三七三 | 优孟衣冠 | 三八九 |
| 一日千里 | 三七三 | 忧心忡忡 | 三九〇 |
| 一日三秋 | 三七三 | 忧心如焚 | 三九〇 |
| 一身两役 | 三七四 | 犹豫不决 | 三九〇 |
| 一身是胆 | 三七四 | 游刃有余 | 三九一 |
| 一时之秀 | 三七四 | 有备无患 | 三九一 |
| 一网打尽 | 三七五 | 有名无实 | 三九二 |
| 一往情深 | 三七五 | 有恃无恐 | 三九二 |
| 一问三不知 | 三七五 | 有志者事竟成 | 三九二 |
| 一误再误 | 三七六 | 予取予求 | 三九三 |
| 一厢情愿 | 三七六 | 余音绕梁 | 三九三 |
| 一蟹不如一蟹 | 三七六 | 余勇可贾 | 三九三 |
| 一薰一莸 | 三七七 | 鱼目混珠 | 三九四 |
| 一言九鼎 | 三七七 | 愚公移山 | 三九四 |
| 一叶障目,不见泰山 | 三七七 | 与狐谋皮 | 三九四 |
| 一衣带水 | 三七八 | 与人为善 | 三九五 |
| 一意孤行 | 三七八 | 玉汝于成 | 三九五 |
| 一字千金 | 三七八 | 欲盖弥彰 | 三九五 |

| | | | |
|-----------|-----|-----------|-----|
| 欲加之罪 | 三九六 | 志在四方 | 四一〇 |
| 鹬蚌相争 | 三九六 | 炙手可热 | 四一一 |
| 缘木求鱼 | 三九六 | 掷地有声 | 四一一 |
| 远交近攻 | 三九七 | 智者千虑，必有一失 | 四一一 |
| 远水不救近火 | 三九七 | 置之度外 | 四一二 |
| 远走高飞 | 三九八 | 中饱私囊 | 四一二 |
| 约法三章 | 三九八 | 中流砥柱 | 四一二 |
| 月下老人 | 三九八 | 中流击楫 | 四一三 |
| 越俎代庖 | 三九九 | 忠言逆耳 | 四一三 |
| 运筹帷幄 | 三九九 | 终南捷径 | 四一三 |
| 运斤成风 | 四〇〇 | 众怒难犯 | 四一四 |
| 运用之妙，存乎一心 | 四〇〇 | 众叛亲离 | 四一四 |

Z

| | | | |
|---------------|-----|-------|-----|
| 载酒问字 | 四〇一 | 众志成城 | 四一五 |
| 凿壁偷光 | 四〇一 | 重蹈覆辙 | 四一五 |
| 债台高筑 | 四〇一 | 重于泰山 | 四一六 |
| 沾沾自喜 | 四〇二 | 助纣为虐 | 四一六 |
| 瞻前顾后 | 四〇三 | 铸成大错 | 四一七 |
| 朝令夕改 | 四〇三 | 专横跋扈 | 四一七 |
| 朝三暮四 | 四〇三 | 专心致志 | 四一七 |
| 招摇过市 | 四〇四 | 庄周梦蝶 | 四一八 |
| 枕戈待旦 | 四〇四 | 壮士解腕 | 四一八 |
| 振臂一呼 | 四〇五 | 惴惴不安 | 四一八 |
| 争先恐后 | 四〇五 | 捉襟见肘 | 四一九 |
| 郑人买履 | 四〇五 | 自拔来归 | 四一九 |
| 之乎者也 | 四〇六 | 自不量力 | 四二〇 |
| 知彼知己 | 四〇六 | 自惭形秽 | 四二〇 |
| 知难而退 | 四〇六 | 自取其辱 | 四二〇 |
| 直言不讳 | 四〇七 | 自相矛盾 | 四二一 |
| 止戈为武 | 四〇七 | 纵虎归山 | 四二一 |
| 只许州官放火，不许百姓点灯 | 四〇七 | 走马看花 | 四二二 |
| 纸上谈兵 | 四〇八 | 罪不容诛 | 四二二 |
| 纸醉金迷 | 四〇八 | 作壁上观 | 四二三 |
| 指鹿为马 | 四〇九 | 作法自毙 | 四二三 |
| 趾高气扬 | 四〇九 | 坐观成败 | 四二三 |
| 志大才短 | 四一〇 | 坐怀不乱 | 四二四 |
| | | 坐山观虎斗 | 四二四 |